#ProgressiveBihar2020

प्लुरल्स

प्रेस ब्रीफ़

01/2020
9 मार्च 2020

यह प्रेस ब्रीफ़ प्लुरल्स एवं इसकी अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी के द्वारा बिहार के अख़बारों के माध्यम से की गई घोषणा के क्रम में है। प्रथमत: प्लुरल्स यह स्पष्ट कर देना चाहता है कि यह विज्ञप्ति कुछ और नहीं बल्कि पार्टी और इसके अध्यक्ष की तरफ़ से बिहार के लोगों तक पहुँचने की सुस्पष्ट अभिव्यक्ति थी। प्लुरल्स पूर्ण पारदर्शिता में यक़ीन रखता है और आगामी महीनों एवं सालों के लिए इसका रोडमैप बहुत साफ़ है - बिहार में सरकार बनाना और इसे अगले 10 वर्षों में दुनियाँ के सर्वश्रेष्ठ जगहों में एक बनाना।

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल एवं सोशल मीडिया में व्यक्ति, परिवार, पार्टी, विचारधारा और अजेंडा को लेकर अनेक प्रश्न उठाए गए हैं। प्लुरल्स सभी से अनुरोध करता है कि आगामी दिनों और महीनों की गतिविधियों पर नज़र रखें। हम अपनी विचारधारा और अजेंडा को एक-एक कर आगे रखेंगे। जहाँ तक बुनियादी आइडिया की बात है, उसकी मूल बातें हमने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से पब्लिक डोमेन में रख दी हुई हैं। प्लुरल्स का लक्ष्य सिर्फ़ सरकार बना लेना नहीं है, जो फिर भी एक आसान टास्क हो सकता है। वास्तविक लक्ष्य उससे कहीं बड़ा और कठिन है - बिहार को 2025 तक भारत का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाना, और लोगों की जीवन की गुणवत्ता को 2030 तक दुनियाँ में सर्वोत्तम बनाना। यह लक्ष्य दुष्कर लग सकता है ख़ासकर यह देखते हुए कि बिहार दुनियाँ के सबसे पिछड़े प्रदेशों में एक है और इसलिए यह लगभग तय है कि चीजें जिस तरीक़े से चल रही हैं, यह 'सतत विकास लक्ष्य 2030' को फ़ेल करने को तैयार है। ऐसे सभी सैद्धांतिक चुनौतियों के बावजूद प्लुरल्स के पास वह विजन और रोडमैप है जो चीज़ों को बदलेंगी और यह सभी चुनौतीयों से अवगत भी है। यद्यपि प्लुरल्स निश्चित है कि बिहार और भारत के लोगों की मदद से यह राजनीति, विकास और शासन का नया इतिहास लिखेगा।

जहाँ तक अन्य प्रश्नों का सवाल है, प्लुरल्स कतिपय मीडिया घरानों से अनुरोध करता है कि वे हमारी टीम और विशेषकर उनके परिवार की निजता का आदर करें। पुष्पम प्रिया चौधरी अत्यंत ही प्रतिभावान हैं, उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में उच्चतम विशेषज्ञता हासिल की है और उनके पास पॉलिसी निर्माण का विश्वस्तरीय अनुभव है। यह देखना दुखद रहा कि विश्व महिला दिवस के दिन भी ऐसे प्रश्न उठाए गए कि 'उनके पीछे कौन है' और 'उनके पिता कौन हैं'। वे एक सक्षम स्त्री हैं जो लोगों को एक एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण बहस से जोड़ना चाहती हैं - बिहार में विकास की कमी, एक ऐसी बहस जिससे हम छुटकारा नहीं पा सकते यदि हम दुनियाँ के सबसे पिछड़े प्रदेश में बदलाव चाहते हैं। पुष्पम ने दुनियाँ के कतिपय श्रेष्ठ प्रतिभाओं के साथ पढ़ाई एवं काम किया है। राजनीति, दर्शन, अर्थशास्त्र, लोक नीति, राजनीतिक संवाद, सामाजिक नीति, ग्रामीण विकास उनके मज़बूत पहलू रहे हैं। स्पष्ट है कि उन्हें अपनी विचारधारा और प्रतिबद्धता को कार्यान्वित करने के लिए किसी मार्गदर्शक या रणनीतिकार की आवश्यकता नहीं है। हाँ, उन्हें समान सोच और विचारधारा वाले लोगों का समर्थन ज़रूर प्राप्त है। प्लुरल्स मानता है कि अब समय आ गया है कि असली विकास, शासन और लोगों की भलाई की बात को केंद्र में लाया जाए न कि अप्रासंगिक और अनावश्यक बातों को - इसलिए प्लुरल्स "पॉज़िटिव पॉलिटिक्स" के नारे में यक़ीन रखता है।

अगले 8 महीने और अगले 10 साल हम सबके लिए काफ़ी तनावपूर्ण परंतु रोचक यात्रा में बदलने वाले हैं। हम विविध सच्चाईयों की विचारधारा में यक़ीन रखते हैं जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपने आप में लक्ष्य है न कि किसी विशेष लक्ष्य की प्राप्ति में महज़ एक साधन। प्लुरल्स समाज के सभी तबके से अपील करता है कि वे अपने आशीर्वाद एवं नैतिक समर्थन के साथ इस यात्रा का हिस्सा बनें। चलिए हम सब मिलकर असली चुनौतीयों को चुनौती देते हैं, क्योंकि चुनौती ही बदलाव है।

सरस्वती

सरस्वती पद्मनाभन
संस्थापक सदस्य व राष्ट्रीय प्रवक्ता
प्लुरल्स

आकाश मेहता

आकाश मेहता
सीईओ व अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता
प्लुरल्स